

DPN 634

Title : प्रेतपिण्ड विधान PRE TA PIN DA VIDHĀ NA

Run. No. 7025

Cat. No. ६

Micro. No.

Subject Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. / New. / Maith. / New. / New. / Nep. /

Size in cms. 17.7 X 7.5

Folios 15

Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

डा. कमल प्रकाश मल्ल

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Dr. Kamala Prakash

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

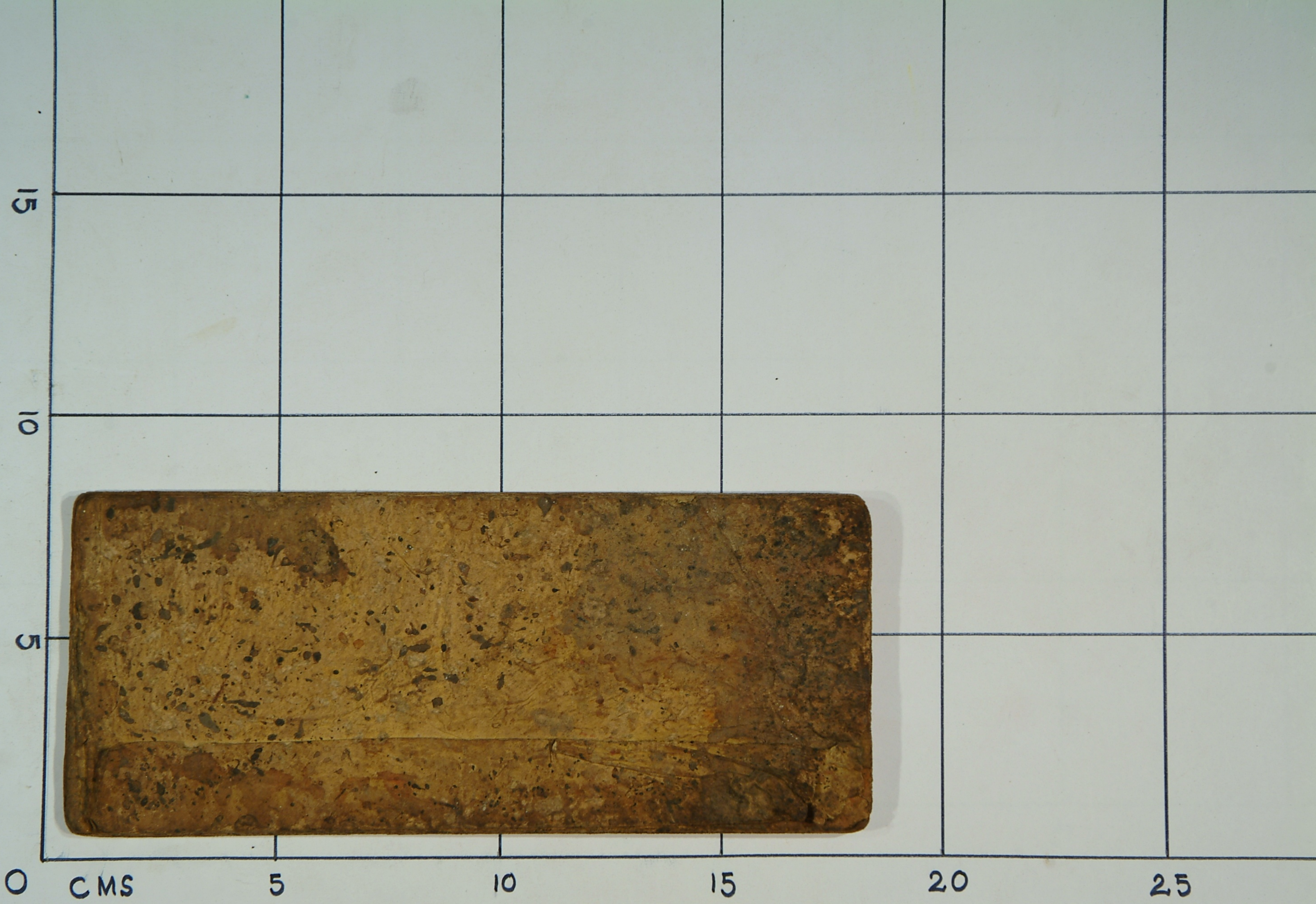
Malla.

Material : palmleaf / paper / thya^saphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

□ ॐ नमो श्री ग्रे (गरुड) साय नम ॥ ह्वापा अरुदे काम ॥ शुभ पूजा साय ॥



15

10

5

0

CM

5

10

15

20

25



ॐ नमो ग्रीष्मसायनमन्त्रापीनदकायामूर्यपूजायायाम्
हूर्योमपपित्रसनानसम्ययामिहं नलर्यं नपकामूनचुटस
नानसम्ययामिहं नधकृति नपुऊदधिचुटस नानसम्यया
मिहं नदद नऊलस नानसम्ययामिहं नलर्यं ननु ग्रीहूर्योय
दिनऊलसाहि नग्रीहूर्योयनम नऊग स्यात न नवदनसम्य
यामिहं नसिषद नसिधूनसम्ययामिहं नसिधून नऊग ययिधून

सम्ययामिहं नऊऊ कामधूपसम्ययामिहं नधूप ग्रीहूर्योयनम
नानीय नायनम सदासि वायनम हलमनायनम कलदवनाय
नम गृह नकुमिनम नऊत न नदिपसम्ययामिहं नमनविय न
रगनसधपना ॐ नमलव नधूननग जिंदवनन नकादनसूद
नप्रसदद मदगीधमधूप वा नानगधूनद काचाटविदाविवजि
नहितजनसीधून साहाऊवद सेलसुतासुतगनपति सिधिपुद

कुमसूगनपनियनम॥**सकनयानक**॥गनपनयपिदुसनानस
स्ययामिह॥**धलकृति**॥गनपनयपंचामृतसनानसस्ययामि
ह॥**दूदसनान**॥गनपनयप्रजदधिधृतसनानसस्ययामिह॥
लषननु॥गनपनयजलसनानसस्ययामिह॥**कगनन**॥गनप
पंतंअऊतअऊकामधुसकामार्थहीधिदयिसिना॥भवतदगिह
नानप्रमसाभि॥**सिंधू**॥गनपनयसिंधूनसस्ययामिह॥**वद**

न॥गनपनयवदनसस्ययामिह॥**जऊका**॥गनपनयऊरुप
पिहंसस्यमिह॥**धूप**॥गनपनयधूपसस्ययामिह॥**सीकिग**॥
खनवनवान॥मनविया॥गनपनयदिपंसस्ययामिह॥**अद**
कायपूजारुहसंकुपयाय॥**नाथजिपूजा**॥**अद**इसंप्रानिक
पालिसिवग्निकसुसतक्रियादवहमिसपिनवाक्री
सूतनिधानमनुपिद्रपिनीमहप्रपिनीमहवृधपिनीमह

ह्रस्वनिधौ नानमस्तु विसृज्य दवादि पूर्वकं यूरय मन्या महं कविष ॥
 ॥ महं कविष ॥ उज्जमानं ध्याय ॥ ॐ कुरुष ॥ प्राहित न ध्याय ॥ ॐ विसाद
 वत्वा किल कसकृतं पूर्य नम ॥ विसृज्य दवादि पूर्वकं यूरय मन्या महं कविष ॥
 नय ॥ पूजा ॥ विसृज्य दवादि पूर्वकं यूरय मन्या महं कविष ॥ ॐ विसाद
 नयानक ॥ विसाद दवादि पूर्वकं यूरय मन्या महं कविष ॥ ॐ विसाद
 विसृज्य दवादि पूर्वकं यूरय मन्या महं कविष ॥ ॐ विसाद

दवादि पूर्वकं यूरय मन्या महं कविष ॥ ॐ विसाद
 पूर्य सम्यया मिह ॥ सिधूना ॥ विसृज्य दवादि पूर्वकं यूरय मन्या महं कविष ॥
 चंदन ॥ विसाद दवादि पूर्वकं यूरय मन्या महं कविष ॥ ॐ विसाद
 उज्जमानं ध्याय ॥ ॐ कुरुष ॥ प्राहित न ध्याय ॥ ॐ विसाद
 ॐ विसाद दवादि पूर्वकं यूरय मन्या महं कविष ॥ ॐ विसाद
 ॐ विसाद दवादि पूर्वकं यूरय मन्या महं कविष ॥ ॐ विसाद
 ॐ विसाद दवादि पूर्वकं यूरय मन्या महं कविष ॥ ॐ विसाद

ॐ

हं॥ एभेमातापूजा॥ एभमायपपितृसनानं सम्ययामिहं॥ सनात॥
 एभमायवचामनसनानं सम्ययामिहं॥ धृतशक्ति॥ एभमातायप्रउद
 धिसनानं सम्ययामिहं॥ दूदसनात॥ एभमातायउलसनानं सम्यया
 मिहं॥ लषननु॥ एभमातायअकनपूर्यसम्ययामिहं॥ कम्पल॥ म्य॥
 एभमातायचंदनसम्ययामिहं॥ चंदन॥ एभमातायसिंधूनसम्ययामि
 हं॥ सिंधून॥ एभमातायउलपपितृसम्ययामिहं॥ उलका॥ एभमाता

ॐ

यधूपं सम्ययामिहं॥ धूप॥ एभमातायपितृसुसिधिनंतनहगि
 एभमायनमसुन॥ एभमातायदिपंसम्ययामिहं॥
 मन्त्रविय॥ पिंधुपूजासंकल्पयाय॥ अर्धकाय॥ पूरुजानकाउनय
 अर्धदिसन्धुपिकपालिसिवग्य॥ नाम॥ दधुनपिठिहंतस्यध॥
 निलकसस्यकषाय॥ यमानधुकपातुम॥ विहादवसकस्यकपन
 न॥ विहादवापाउउमितकसकनपूर्यसम्ययामिहं॥ कागवति॥ एभ

ॐ

ॐ

CMF

5

10

15

20

25

॥ उजका ॥

ॐ रं दनं स्वधा ॥ कागपिंदपात्र उजपपिनं स्वधा ॥ स्त्री नपिंदपात्र उ
जपपिनं स्वधा ॥ पुनपिंदपात्र उजपपिनं स्वधा ॥ धूप ॥ कागपिंदपा
त्र धूपं स्वधा ॥ स्त्री नपिंदपात्र धूपं स्वधा ॥ पुनपिंदपात्र धूपं स्वधा ॥
उज निल कसक मयत स्त्री न ॥ काग वहिपितृपात्र उज निल कसक
नपूर्यं स्वधा ॥ स्त्री न वहिपितृपात्र उज निल कसक नपूर्यं स्वधा ॥ पु
नपितृपात्र उज निल कसक नपूर्यं स्वधा ॥ अर्द्ध संध्या निकपलिसि

वग्वत पुनपितृपात्राय उज निल ॥ उज नयान कट न ॥ पतल सूर्य
कतपयाय ॥ लगधया ॥ नाथ जिबुग्वनय ॥ नाथ जिपिंद सफदि
नकादसकिलापिंदलगं स्वधा ॥ काग वहि सफदिनकादसकिलापि
दलगं स्वधा ॥ स्त्री न वहि सफदिनकादसकिलापिंदलगं स्वधा
नाथ जिपिंदलगं स्वधा ॥ काग वहिपिंदलगं स्वधा ॥ स्त्री न वहिपिंद
लगं स्वधा ॥ पुन वहिपिंदलगं स्वधा ॥ नाथ जिबुग्वकाय ॥ अर्द्ध
पुनपिं शुवतिस्यनदिनकादसकिलापिं शु सा धा ॥ ॥

सनधनिकं पातिसि वग्वरु सफदिनदसकितानाधजिपिददियन
 स्वधा॥ नाथजिपूजा॥ सनान॥ नाथजिपिदपपितुसनाने स्वधा॥
 नाथजिपिदपं का मृत् सनाने स्वधा॥ इद॥ नाथजिपुऊदधिचरुस
 नाने स्वधा॥ हर्यननु॥ नाथजिपिदपपितुसनाने स्वधा॥ कव्यन॥
 नाथजिपिदभूतपूर्ये स्वधा॥ सिधुन॥ नाथजिपिदपपितुऊरु
 सनाने समीयामि स्वधा॥ नाथजिपिदसिधुने स्वधा॥ रदन॥ ना

थजिपिदवदनं साध॥ ऊँका॥ नाथजिपिदजरुपपिस्तं स्व
 धा॥ धूप॥ नाथजिपिधूपं स्वधा॥ स्नानकव्यय॥ ऊँकालादि
 नाथउदनाथपावनिकं नाथवृक्षसंनारय नाथविभूतऊकं पना
 धरुयतुववहिनाथमायात्रुपिमच्छिदनाथचननसत्रुपिग्यान
 पात्रविश्रीरंगिनाथनित्रघटमघनपिदनाथपतिस्तं ऊतिगूरु
 गमत्रयनाथयतायकं ऊरुहयत्रीनउनाथसंपूर्णकल्याणमू

0 5 10 15 20 25

5

10

15



15

10

5



CMC

5

10

15

20

25

वनसिधनसि वपूत्रिनमन ॥ ॐ नमो गी वाय ग्री संह वनन
 पादूकानमस्तु न ॥ कागवलिपिंदुग्वकाय ॥ अर्द्धद्वग्रध
 निकपातिसि वेग्यत्र ॥ नाम ॥ सफदिनकादसकि लाकागव
 लिपिंद स्वध ॥ स्नानपिंदुग्वकाय ॥ अर्द्धद्वग्रधनिकपा
 तिसिग्वत्र ॥ नाम ॥ सफदिनकादसकि लास्नानवलिपिंद स्वध ॥
 पुनपिंदुग्वकाय ॥ अर्द्धद्वग्रधनिकपातिसि वेग्यत्र ॥ नाम ॥ सफ

दिनकादसकि ला पुनपिंदवलि स्वध ॥ सना नयातका ॥ ॐ कागव
 लिपिंदपपिद्रसनानसर्मयामि स्वध ॥ ॐ स्नानवलिपिंदपपिद्रस
 नानसर्मयामि स्वध ॥ ॐ पुनपिंदवलिपपिद्रसनानसर्मया
 मि स्वध ॥ धनकस्ति ॥ ॐ कागपिंदवलिपं वामुनसनानसर्म
 यामि स्वध ॥ ॐ स्नानपिंदवलिपं वामुनसनानसर्मयामि स्व
 ध ॥ ॐ पुनवीदवलिपं वामुनसनानसर्मयामि स्वध ॥ लादुन

ॐ कागपिंदवलिप्रऊदधिद्युतसना नैसर्मयामिस्यध॥ ॐ स्थान
 पिंदवलिप्रऊदधिद्युतसना नैसर्मयामिस्यध॥ ॐ पुनपिंदव
 लिप्रऊदधिद्युतसना नैसर्मयामिस्यध॥ लष ननु॥ ॐ कागपिं
 दवलि॥ स्थानपिंदवलि॥ पुनपिंदवलिपपिद्रुसना नैसर्मय
 मिस्यध॥ ठाउतिलकसुतस्थानन॥ ॐ कागपिंदवलि ॐ स्थान
 पिंदवलि ॐ पुनपिंदवलिउतिलकसत्रुतपूस्पदियनस

ध॥ सिंधू॥ ॐ कागपिंदवलि सिंधू नैस्यध॥ स्थानपिंदवलि सि
 धू नैस्यध॥ पुनपिंदवलि सिंधू नैस्यध॥ रंदन॥ ॐ कागपिंदवलि
 रंदनसाध॥ स्थानपिंदवलि रंदनसाध॥ पुनपिंदवलि रंदन
 स्यध॥ ॐ जंजका॥ कागपिंदवलिउरूपपिनसाध॥ स्थानपिंद
 वलिउरूपपिसस्यध॥ पुनपिंदवलिउरूपपिसस्यध॥
 धूप॥ ॐ कागपिंदवलिधूपस्यध॥ स्थानपिंदवलिधूपस्यध॥

पुनर्पित वलिपूर्वस्य॥**स्नानकर्मफलम्॥**ॐ कागर्पिदव
लि॥**स्नानर्पिदवलि॥**पुनर्पित वलि॥**उत्तिलकृत्तनपूर्य**
दियनसाध॥**नेविदशुभ॥**कागर्पित वलिनेविदस्य॥
स्नानर्पित वलिनेविदस्य॥**पुनर्पित वलिनेविदसाध॥****प**
सस्नानगतायुहितायशुभ॥कागर्पिदवलिदमपूर्यस्य॥
॥ढंगनाउपूर्यस्य॥**हिमनाउपूर्यस्य॥**स्नानर्पिदवलिदमपू

र्यस्य॥**नंगनाउपूर्यस्य॥**हिमनाउपूर्यस्य॥**पुनर्पि**
दवलिपदपूर्यस्य॥ढंगनाउपूर्यस्य॥**हिमनाउपूर्य**
स्य॥**नाशुभायधर्मसंपु॥****निलखदिय॥**नाथर्पिदवलिधि
दजलनमेदियनस्य॥**कागर्पीदवलिदं**दजलनसमेस्य॥
स्नानर्पिदवलिदं दजलनसमेस्य॥**पुनर्पित वलिदं**दज
लनसमेस्य॥**रुलरुलशुभमनविय॥****शुभ**जानिपूर्यमिदद

विस्वसन् कञ्चिद्वक् सर्वसिद्धिं कर्तुं नित्यं ॥ दण्डलग्नं दत्तात्रेय
महात्रि॥ उज्ज्वलं नयान्नासिकं ददिवि॥ अथर्वविष्णुमस्तु
स्वर्गीयस्तु आचार्यकामस्तु धान्यवृद्धिस्तु श्रीनृधर्मस्तु
स्तु निष्कृष्टास्तु सन्तानवृद्धिस्तु विद्वत्सिद्धिस्तु अहिंसास्तु
किञ्चन॥ ह्येते कस्यानकनन पुष्टिर्न दद्विनाः वियस्यते ॥ ॥

शास्त्रानामनामीयनायनमासदासिवायनमाह नृमैतायनमाः
ये

कूलदेवतायनमाह नृमैतायनमाः ॥ कर्तुं नित्यं ॥ वायव्यद ॥ ॥
पूर्वदिननवकृतज्ञानसनाक्षदिये कर्तुं कर्तुं नित्यं कर्मा
निकर्तुं पञ्चाङ्गसादनं कर्तुं नित्यं पञ्चाङ्गदिपतिलनेलनकातमा ॥ यमहृतिस्तु
वापूर्वखाल्वावासहस्रवह्नुस्तु नित्यं ॥ माहूक ॥ अथर्वविष्णुमस्तु
सर्ववस्तुमनापिवाः यस्मिन् पदनिकाकृतवाकहेतुस्तु यि ॥ पदगर्ह
हाया ॥ पित्रमयुषपात्र ॥ लिखत ॥ नीमनपात्र ॥ सिद्धयल ॥ कसर्हा

15

ऊनपात्र॥ कयपल॥ वसुलं काल कालमहं मूसूर्ज॥ वियत॥ कायन॥
 संप्रदद॥ ॥ वाख॥ ॥ अर्द्धदनसनधनिकपालिसिवगुः सफदिन
 काः कागपिदः स्थानपिदः पुनपिदपूजासमर्पयामिसाध॥ ॥ नाम॥

दस
 क्रि
 ल

10

5

0

CMC

5

10

15

20

25

15

10

5

0 CM

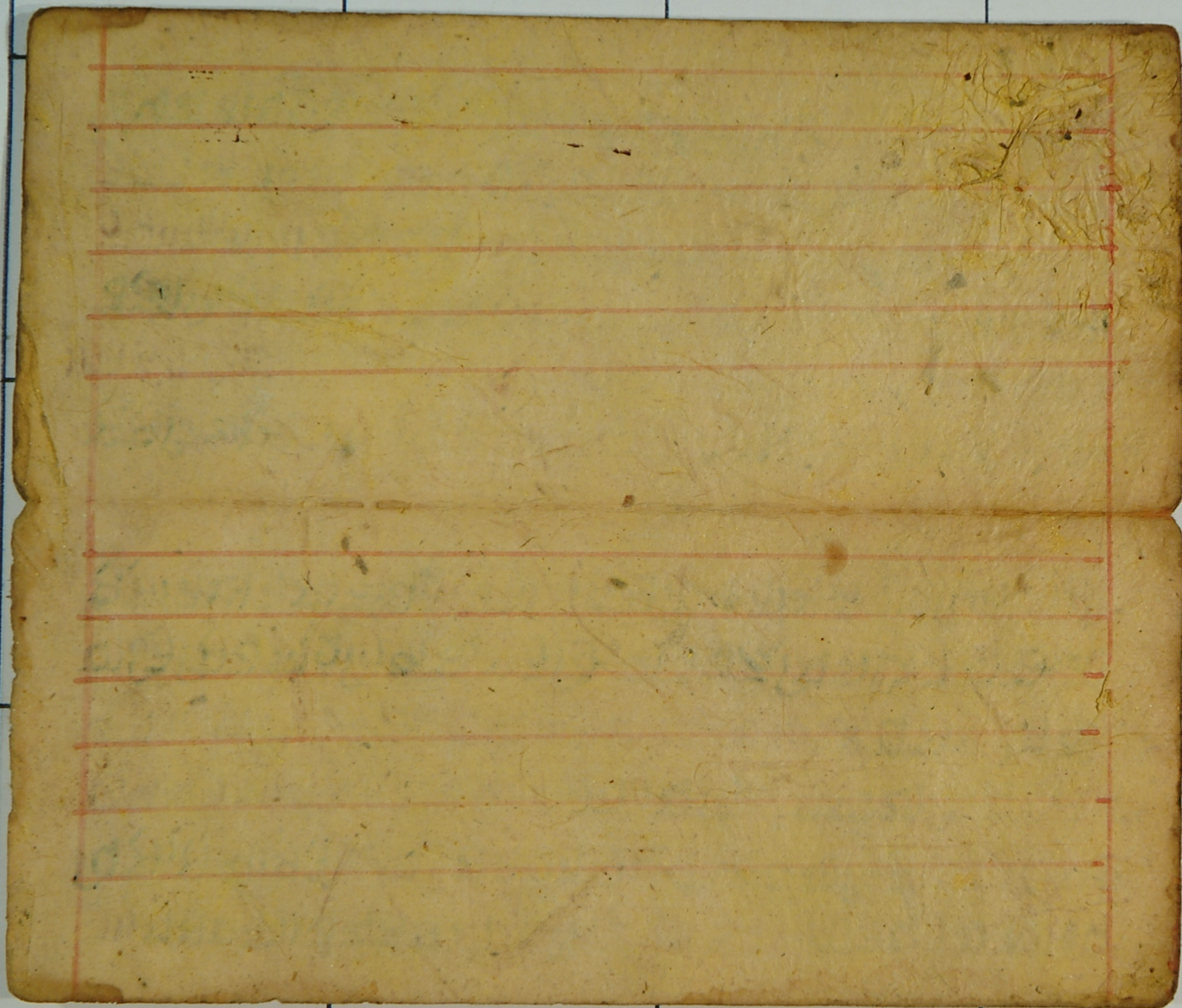
5

10

15

20

25



15

10

5

0 CM

5

10

15

20

25

